सर्वोच्च नागरिक सम्मान

- **राष्ट्रपति भवन** में सरकार द्वारा चयनित हस्तियों को **देश का सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न** प्रदान किया गया।
- **राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू** ने **5 हस्तियों** को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया।
- इनमें भाजपा के वरिष्ठ नेता **लालकृष्ण आडवाणी,** पूर्व प्रधानमंत्री **चौधरी चरण सिंह, पी.वी. नरसिम्हा राव,** कृषि वैज्ञानिक **डॉ. एमएस स्वामीनाथन** और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री **कर्पूरी ठाकुर** शामिल हैं।

पीवी नरसिम्हा राव (29 जून 1921-23 दिसंबर 2004) पूर्व प्रधानमंत्री :

- पीवी नरसिंह राव का जन्म 28 जून 1921 को करीमनगर में हुआ था। उन्होंने हैदराबाद की उस्मानिया यूनिवर्सिटी, मुंबई यूनिवर्सिटी और नागपुर विश्वविद्यालय से अपनी पढ़ाई की।
- आंध्र प्रदेश से उन्होंने अपना राजनीतिक करियर शुरु किया। वे 1957 से 1977 तक आंध्र प्रदेश विधान सभा के सदस्य रहे।
- वे आंध्र प्रदेश सरकार में 1962 से 64 तक कानून एवं सूचना मंत्री, 1964 से 67 तक कानून मंत्री, 1967 में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्री और 1968 से 1971 तक शिक्षा मंत्री रहे।
- वे 1971 से 73 तक आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे।
- 1977 से 84 तक लोकसभा के सदस्य रहे। दिसंबर 1984 में रामटेक से आठवीं लोकसभा के लिए चुने गए।
- 14 जनवरी 1980 से 18 जुलाई 1984 तक विदेश मंत्री, 19 जुलाई 1984 से 31 दिसंबर 1984 तक गृह मंत्री और 31 दिसंबर 1984 से 25 सितंबर 1985 तक रक्षा मंत्री रहे। इसके बाद उन्होंने मानव संसाधन विकास मंत्री का कार्यभार संभाला।
- 20 जून 1991 से 16 मई 1996 तक वे देश के 9वें प्रधानमंत्री रहे।
- नरसिम्हाराव के दौर में ही वित्तमंत्री मनमोहन सिंह अर्थव्यवस्था में उदारीकरण लेकर आए।

- नरसिम्हाराव हिंदी, अंग्रेजी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़, उर्दू, मराठी, गुजराती, उड़िया, अरबी, फारसी, स्पेनिश, बंगाली, फ्रेंच, जर्मन, ग्रीक और लैटिन (18) भाषाएं जानते थे।
- 23 दिसंबर 2004 को उनका निधन हो गया।
- यह पुरस्कार उनके बेटे पीवी प्रभाकर राव ने प्राप्त किया।

चौधरी चरण सिंह (23 दिसंबर 1902-29 मई 1987) पूर्व प्रधानमंत्री :

- चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसंबर 1902 में उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के नूरपुर में जाट किसान परिवार में हुआ था।
- उन्होंने 1923 में ग्रेजुएशन, 1925 में पोस्ट ग्रेजुएशन किया। आगरा यूनिवर्सिटी से उन्होंने लॉ की पढ़ाई पूरी कर 1928 में वकालत शुरू की।
- 1930 में गांधीजी के सविनय अवज्ञा आंदोलन में शामिल हुए और हिंडन नदी में नमक बनाया।

- 3 अप्रैल 1967 से 17 अप्रैल 1968 तक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। दोबारा 17 फरवरी 1970 में मुख्यमंत्री बने।
- 1979 में वित्त मंत्री और उप-प्रधानमंत्री रहे। इस दौरान राष्ट्रीय कृषि व ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की स्थापना की।
- उन्होंने जनता दल की स्थापना की। इसी जनता दल से बाद में बीजू जनता दल, राष्ट्रीय जनता दल, जनता दल (यूनाइटेड), जनता दल (सेक्युलर) और उनके बेटे अजीत सिंह की पार्टी राष्ट्रीय लोकदल बने।
- 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक वे देश के प्रधानमंत्री रहे। हालांकि, इस दौरान वे कभी भी संसद नहीं गए।
- चौधरी चरण सिंह अच्छे राइटर थे और अंग्रेजी पर उनकी अच्छी पकड़ थी। उन्होंने 'एबॉलिशन ऑफ जमींदारी', 'लीजेंड प्रोपराइटरशिप' और 'इंडियाज पॉवर्टी एंड इट्स सॉल्यूशंस' किताबें भी लिखीं।
- 29 मई 1987 को उनका निधन हो गया।
- यह पुरस्कार चौधरी चरण सिंह के पोते जयंत सिंह ने प्राप्त किया।

कर्पूरी ठाकुर (24 जनवरी 1924-17 फरवरी 1988) :

- कर्पूरी ठाकुर का जन्म 24 जनवरी 1924 को बिहार के समस्तीपुर जिले के पितौंझिया गांव में हुआ था।
- 1940 में मैट्रिक (10वीं) परीक्षा पास की। उस साल तक उनके अलावा पितौंझिया गांव में सिर्फ 5 लोग मैट्रिक पास थे।
- दरभंगा के सीएम कॉलेज में एडमिशन लिया। छात्र जीवन में ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन में शामिल हुए।
- भारत छोड़ो आंदोलन में शामिल होने के लिए कॉलेज छोड़ दिया। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान 26 महीने जेल में बिताए।
- 1946 में कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की सदस्यता ली।
- 1947 में राम मनोहर लोहिया ने उन्हें अखिल भारतीय हिंद- किसान पंचायत का राज्य सचिव बनाया।
- 1948-52 में सोशलिस्ट पार्टी के बिहार सचिव बने।
- 1952 में ताजपुर विधानसभा सीट से पहली बार विधायक बने।
- 5 मार्च 1967 से 28 जनवरी 1968 तक बिहार के शिक्षा मंत्री रहे।
- ठाकुर हिंदी भाषा के समर्थक थे। बतौर शिक्षा मंत्री उन्होंने मैट्रिक के सिलेबस से अंग्रेजी विषय हटा दिया था।

- दिसंबर 1970 में बिहार के पहले गैर कांग्रेसी मुख्यमंत्री बने। हालांकि, 6 महीने में सरकार गिर गई।
- इससे पहले वे बिहार के मंत्री और उप-मुख्यमंत्री भी रह चुके थे।
- 1977 में समस्तीपुर से लोकसभा सांसद चुने गए।
- जून 1977 में दूसरी बार सीएम बने, लेकिन दो साल के अंदर सरकार गिर गई।
- 17 फरवरी 1988 को निधन हुआ।
- 26 जनवरी 2024 को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया।
- यह पुरस्कार उनके पुत्र रामनाथ ठाकुर ने प्राप्त किया।

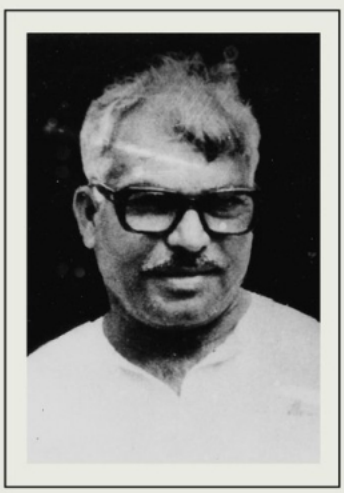

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री 'जननायक'

कर्पूरी ठाकुर

24 जनवरी 1924 – 17 फरवरी 1988

को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित करने का निर्णय

डॉ. एमएस स्वामीनाथन (7 अगस्त 1925-28 सितंबर 2023) कृषि वैज्ञानिक

- मनकोम्बु संबासिवन स्वामीनाथन का जन्म 7 अगस्त 1925 को तमिलनाडु के कुंबकोणम में हुआ था।
- स्वामीनाथन आनुवांशिक वैज्ञानिक थे, जिन्हें भारत की हरित क्रांति का जनक कहा जाता है।
- हरित क्रांति कार्यक्रम के तहत ज्यादा उपज देने वाले गेहूं और चावल के बीज खेतों में लगाए गए थे। इस क्रांति ने भारत को दुनिया में खाद्यान्न की कमी वाले देश से उबारकर आत्मनिर्भर बना दिया था।
- उन्हें 1971 में सामुदायिक नेतृत्व के लिए मैग्सेसे पुरस्कार, 1986 में अल्बर्ट आइंस्टीन वर्ल्ड साइंस पुरस्कार, 1987 में पहला विश्व खाद्य पुरस्कार और 1989 में यूनेस्को गांधी स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।
- डॉ. स्वामीनाथ को 1967 में पद्मश्री, 1972 में पद्मभूषण और 1989 में पद्मविभूषण से सम्मानित किया गया।
- 28 सितंबर 2023 को उनका निधन हो गया।
- यह पुरस्कार एमएस स्वामीनाथन की बेटी नित्या राव ने प्राप्त किया।

लालकृष्ण आडवाणी (जन्म-8 नवंबर 1927) पूर्व उप प्रधानमंत्री :

- आडवाणी का जन्म 8 नवंबर 1927 को कराची (अब पाकिस्तान का हिस्सा) में हुआ था।
- कराची के सेंट पैट्रिक हाई स्कूल और सिंध स्थित हैदराबाद के डीजी नेशनल कॉलेज में पढ़ाई की।
- 1942 में 14 साल की उम्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े। 1947 में RSS के कराची यूनिट के सेक्रेटरी बने।
- उनका परिवार विभाजन के दौरान मुंबई आ गया। आडवाणी ने मुंबई यूनिवर्सिटी के गवर्नमेंट लॉ कॉलेज से ग्रेजुएशन किया।
- 1951 में भारतीय जनसंघ बनने के बाद आडवाणी इससे जुड़े। वे 1957 में दिल्ली आए और जनसंघ में विभिन्न पदों पर रहे।
- 25 फरवरी 1965 में कमला आडवाणी से शादी की, जिनसे उनके दो बच्चे- प्रतिभा और जयंत हैं।
- 1967-1970 तक दिल्ली महानगर परिषद के अध्यक्ष रहे।
- 1970 में दिल्ली से राज्यसभा सांसद बने।
- 1972 में जनसंघ के अध्यक्ष बने।
- 1977 में मोरारजी देसाई की सरकार में आडवाणी सूचना एवं प्रसारण मंत्री बने।
- 6 अप्रैल 1980 को आडवाणी ने भारतीय जनता पार्टी का गठन किया। अटल बिहारी वाजपेयी अध्यक्ष बने।
- आडवाणी 1986 में भाजपा अध्यक्ष बने। 1989 में पहली बार लोकसभा सांसद बने।

- 1990 में राम मंदिर आंदोलन के लिए रथ यात्रा निकाली।
- भाजपा सरकार में 1998 से 2004 तक गृह मंत्री रहे।
- 2002 से 2004 तक उप-प्रधानमंत्री रहे। दिसंबर 2005 में भाजपा अध्यक्ष का पद छोड़ा।
- 2010 में NDA के कार्यकारी अध्यक्ष चुने गए।
- 2015 में पद्म विभूषण और 2024 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया।
- देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उनको इस सम्मान से सम्मानित करने उनके आवास पर पहुंची। इस मौके पर पीएम मोदी समेत उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पूर्व उप राष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू भी मौजूद रहे।

कौटिल्य एकेडमी
www.kautilyaacademy.com IAS·IPS·MPPSC·CJ-II

RESULT MPPSC 2019

परंपरा बरक़रार

Rank 1 DEPUTY COLLECTOR

Priya Pathak

Rank 2 DEPUTY COLLECTOR
Shivangi Baghel

Rank 3 DEPUTY COLLECTOR
Pooja Soni

DEPUTY COLLECTOR

Saurabh Mishra

Saloni Agrawal

Reetika Patidar

Ashutosh Thakur

Simmi Yadav

Sumesh Dwivedi

Vikas Kemor

Naveen Singh Thakur

Purva Mandloi

Manjusha Khatri

DSP

Lalit Bairagi

Shiva Pathak

Shaifa Hashmi

Masum Patle

Ashutosh Tyagi

Amit Bardiya

Divya Jhariya

200+ SELECTIONS

MPPSC (Pre + Mains)
1 Year Offline New Batch
Registration Open
Enroll Now - 9425068121

MPPSC (Pre + Mains) 2024
Online New Batch
NEW SYLLABUS पर आधारित
Starting From 12 February
Join करने के लिए डाउनलोड करें
हमारी एप्लीकेशन,
या कॉल करें - 9425068121